Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

17 जून 2025

NATIONAL AFFAIRS / GOVERNMENT SCHEME

1. आंध्र प्रदेश ने 'तल्लिकी वंदनम' योजना शुरू की: प्रति स्कूल जाने वाले बच्चे को ₹15,000 वार्षिक सहायता।

12 जून, 2025 को, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने 'तल्लिकी वंदनम' ("माँ को सलाम") योजना शुरू की - जो "सुपर सिक्स" घोषणापत्र के तहत एक महत्वाकांक्षी कल्याणकारी पहल है। यह प्रत्येक घर में स्कूल जाने वाले प्रत्येक बच्चे के लिए प्रति वर्ष ₹15,000 का पुरस्कार देता है, जिसमें से ₹13,000 सीधे माताओं या अभिभावकों के बैंक खातों में जमा किए जाते हैं और ₹2,000 स्कूल के बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और स्वच्छता को बनाए रखने के लिए आवंटित किए जाते हैं।

• इस योजना से सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों सहित सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में कक्षा 1 से इंटरमीडिएट (XII) तक के छात्रों को लाभ मिलता है। 67 लाख से अधिक छात्रों और लगभग 43 लाख माताओं के पात्र होने के साथ, राज्य ने पहले वर्ष के रोलआउट के लिए लगभग ₹8,745 करोड़ निर्धारित किए हैं।

• एक मुख्य विशेषता यह है कि घर के हर पात्र बच्चे को सहायता मिलती है - "अम्मावोडी" जैसे पिछले कार्यक्रमों के विपरीत, जिसमें प्रति परिवार केवल एक बच्चे को सहायता सीमित की गई थी। इसके अलावा, यह योजना SC/ST, BC और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति को पूरक बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उन्हें पूरी ₹15,000 राशि मिले।

• लाभार्थियों की सूची गांव और वार्ड सचिवालयों में जारी की गई। जिन परिवारों को सूची में शामिल नहीं किया गया है, वे 20 जून तक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, जिनका समाधान 28 जून तक होगा। नए नामांकित छात्रों को शामिल करते हुए दूसरा संवितरण चरण 5 जुलाई को शुरू होगा, जिसमें प्रथम श्रेणी और प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट छात्र शामिल होंगे।

Key Points:-

(i) 13 जून तक 35.44 लाख माताओं के बैंक खातों में धनराशि पहुँच चुकी थी, जिसकी सूचना आधी रात के बाद भेजी गई। हालाँकि, कुछ लाभार्थियों ने विसंगतियों की सूचना दी: बैंकों द्वारा लंबित ऋणों में स्वतः कटौती कर दी गई, जिससे ₹13,000 की सहायता राशि कम हो गई, या घोटालेबाजों ने योजना की आड़ में झूठे लिंक प्रसारित किए - जिसके कारण पुलिस ने सतर्कता बरतने का आग्रह किया।

(ii) आंध्र प्रदेश सरकार 'तल्लिकी वंदनम' योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक वास्तविक समय डिजिटल डैशबोर्ड और बायोमेट्रिक उपस्थिति ट्रैकिंग लागू कर रही है। इस प्रणाली का उद्देश्य डुप्लिकेट लाभार्थियों को खत्म करना और यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय सहायता वास्तव में पात्र परिवारों तक पहुँचे।

ECONOMY & BUSINESS

1. NSO रिपोर्ट के अनुसार "मई 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति 75 महीने के निचले स्तर 2.82% पर आ जाएगी"।

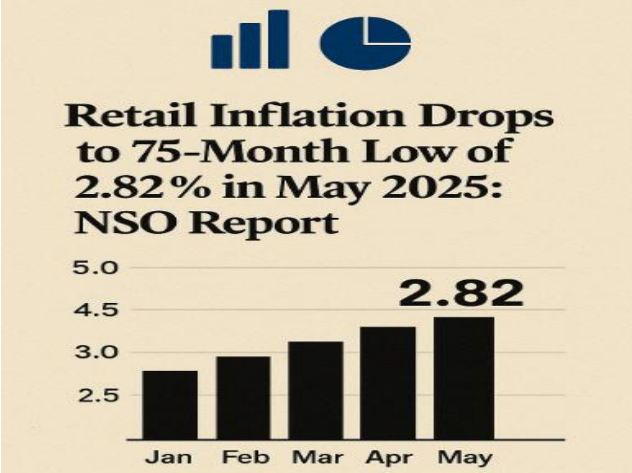

जून 2025 – सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत संचालित राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने मई 2025 के लिए ग्रामीण, शहरी और संयुक्त क्षेत्रों को कवर करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के अद्यतन आंकड़े जारी किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति (CPI के माध्यम से मापी गई) तेजी से घटकर 2.82% हो गई, जो 75 महीने का निचला स्तर है, जो अप्रैल 2025 में 3.16% से 34 आधार अंकों (bps) की गिरावट है।

• मई 2025 में 2.82% की मौजूदा CPI दर फरवरी 2019 के बाद से सबसे कम साल-दर-साल खुदरा मुद्रास्फीति है, जब यह 2.57% दर्ज की गई थी। यह लगातार चौथा महीना है जब मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के मध्यम अवधि के लक्ष्य 4% से नीचे रही है, जो अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को कम करने का संकेत देता है।

• खाद्य कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट, अनुकूल आधार प्रभाव, तथा आवश्यक वस्तुओं की लागत में कमी के कारण मुख्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ।

• NSO के अनुसार, उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI) ने मई 2024 की तुलना में मई 2025 में साल-दर-साल सिर्फ 0.99% की वृद्धि दिखाई। यह महत्वपूर्ण मॉडरेशन बेहतर आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति, बढ़ी हुई उपलब्धता और उपभोक्ता स्तर पर अपेक्षाकृत स्थिर खाद्य कीमतों को दर्शाता है।

Key Points:-

(i) जबकि हेडलाइन मुद्रास्फीति कम हो गई, कोर मुद्रास्फीति (जिसमें अस्थिर खाद्य और ऊर्जा खंड शामिल नहीं हैं) मई 2025 में 4.28% तक थोड़ी बढ़ गई, जो अप्रैल 2025 में 4.23% थी। यह अक्टूबर 2022 के बाद से उच्चतम कोर मुद्रास्फीति स्तर को दर्शाता है, जो आवास, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे गैर-खाद्य क्षेत्रों में लगातार मूल्य दबाव का संकेत देता है।

(ii) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, केरल ने मई 2025 के लिए 6.46% पर साल-दर-साल सबसे अधिक खुदरा मुद्रास्फीति दर्ज की, उसके बाद पंजाब ने 5.21% की दर से मुद्रास्फीति दर्ज की। ये राज्य-स्तरीय आंकड़े राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर हैं, जो संभवतः क्षेत्रीय उपभोग पैटर्न और आपूर्ति-मांग असंतुलन के कारण है।

(iii) समग्र मुद्रास्फीति RBI के 4% लक्ष्य से काफी नीचे रहने के कारण, यह प्रवृत्ति मौद्रिक नीति समिति (MPC) को एक उदार रुख बनाए रखने या नीति दर समायोजन पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकती है। हालांकि, कोर मुद्रास्फीति में वृद्धि नीतिगत कदमों में सावधानी बरत सकती है, क्योंकि व्यापक-आधारित मूल्य स्थिरता अभी पूरी तरह से हासिल नहीं हुई है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. गोम्बोजाव ज़ंदनशतार को मंगोलिया का 34वां प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

जून 2025 के मध्य में, मंगोलिया की संसद (स्टेट ग्रेट खुराल) ने भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों और असफल विश्वास मत के बीच लुव्सन्नमस्रेन ओयुन-एर्डीन के इस्तीफे के बाद, अनुभवी राजनीतिज्ञ, पूर्व स्पीकर, विदेश मंत्री और बैंकर गोम्बोजाव ज़ंडानशतार को देश का 34वां प्रधान मंत्री नियुक्त किया।

- **12 जून को, ज़ंदनशतार को संसद में मजबूत समर्थन मिला - 117 में से 108 वोट (92.3%) - जिसमें उनकी पार्टी, मंगोलियन पीपुल्स पार्टी का समर्थन भी शामिल था, जो मजबूत आम सहमति का संकेत था।**

- **उनके पूर्ववर्ती ओयुन-एर्डीन ने अपने परिवार पर अत्यधिक खर्च और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद पद छोड़ दिया था, जिसके परिणामस्वरूप 3 जून को अविश्वास प्रस्ताव पर महत्वपूर्ण मतदान हुआ था।**

- **18 मार्च, 1970 को बात्सागान (बयानखोंगोर) में जन्मे ज़ंदनशतार का करियर काफी शानदार रहा है: MBA स्तर की अर्थशास्त्र शिक्षा, व्याख्यान, वरिष्ठ बैंकिंग भूमिकाएं, कृषि मंत्रालय के पद, विदेश मंत्री (2009-12), मुख्य कैबिनेट सचिव (2017-19), स्पीकर (2019-24), और स्टैनफोर्ड में शोध कार्य (2013-15)।**

Key Points:-

(i) अपने संसदीय संबोधन में, ज़ंदनशतर ने मुद्रास्फीति को स्थिर करने, बजट की कमी का प्रबंधन करने, ऊर्जा विश्वसनीयता के मुद्दों को हल करने और स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा में सुधारों के माध्यम से मानव पूंजी विकास को बढ़ावा देने और प्रदर्शन-आधारित मुआवजे की दिशा में कदम उठाने जैसी प्राथमिकताओं पर जोर दिया।

(ii) उच्च मुद्रास्फीति और राजकोषीय दबाव के बीच, उन्होंने 640 मिलियन डॉलर के बजट में कटौती और कर सुधारों का वादा किया - जिससे मध्यम वर्ग का बोझ कम होगा जबकि विलासिता और उच्च आय वाले वर्गों पर करों में वृद्धि होगी - ताकि समान आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सके।

(iii) 13 जून को, ज़ंदनशतर को आधिकारिक तौर पर ओयुन-एर्डीन से सरकारी मुहर मिली, जिन्होंने उनसे विज़न-2050 राष्ट्रीय विकास योजना को जारी रखने का आग्रह किया। ज़ंदनशतर ने बदले में चल रही मेगा-परियोजनाओं की प्रशंसा की और उन पर काम करने की कसम खाई।

SPORTS

1. दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 का खिताब जीता।

11-14 जून, 2025 को लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित एक रोमांचक फाइनल में, दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया, 27 साल के इंतजार के बाद अपनी पहली ICC विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत हासिल की। यह जीत 1998 के बाद से उनका पहला बड़ा ICC खिताब है और इसमें US$3.6 मिलियन की विजेता राशि शामिल है (ऑस्ट्रेलिया को $2.16 मिलियन मिले)।

• 282 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने चौथे दिन नाटकीय वापसी की: एडेन मार्करम ने 136 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान मिला, जबकि टेम्बा बावुमा ने चोट से जूझने के बावजूद 66 रनों का योगदान दिया।

• लॉर्ड्स में जीत से - "क्रिकेट का घर" - जीत की प्रतिष्ठा बढ़ गई। पूरे दक्षिण अफ्रीका में प्रशंसकों और अधिकारियों ने जश्न मनाया, जोहान्सबर्ग लौटने पर हज़ारों लोगों ने टीम का अभिवादन किया।

• 2023-25 WTC चक्र जून 2023 से इस फाइनल तक फैला हुआ था, जिसमें 70 मैचों के साथ लीग प्रारूप में 9 टीमें शामिल थीं, और इसका समापन दक्षिण अफ्रीका द्वारा ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ने के साथ हुआ - जो खिताब का दावा करने के लिए पसंदीदा थे।

Key Points:-

(i) हेड कोच शुकरी कॉनराड का कहना है कि यह सफलता सभी प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा देगी। हालाँकि दक्षिण अफ्रीका को अक्टूबर 2026 तक सीमित घरेलू मुकाबलों और सीमित कार्यक्रम का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन यह जीत शीर्ष स्तरीय टेस्ट राष्ट्र के रूप में उनके दावे को मजबूत करती है।

(ii) पूर्व कप्तान AB डिविलियर्स ने कड़े शेड्यूल वाले चक्रों के बाद WTC प्रारूप का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। 2025-27 चक्र पहले ही शुरू हो चुका है, और वर्तमान चक्र के समाप्त होने के तुरंत बाद अंतिम चरण शुरू हो जाएगा।

(iii) 2023-25 ICC विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दक्षिण अफ्रीका की जीत सिर्फ़ एक ट्रॉफी उठाने तक सीमित नहीं है - यह एक ऐतिहासिक क्षण है जो दशकों के ICC खिताब के सूखे को खत्म करता है। मार्कराम, बावुमा और रबाडा की वीरता और घरेलू धरती पर जश्न के साथ, यह जीत दक्षिण अफ्रीका और उसके बाहर टेस्ट क्रिकेट परंपरा के पुनरुत्थान के लिए स्प्रिंगबोर्ड हो सकती है।

2. आईएसएसएफ विश्व कप म्यूनिख 2025: भारत ने 4 पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत ने 8 से 15 जून, 2025 तक जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित ISSF राइफल/पिस्टल विश्व कप 2025 में कुल 4 पदक - 2 स्वर्ण और 2 कांस्य जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस संस्करण में 49 देशों और 330 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें चीन और नॉर्वे क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

• भारत को दो शानदार स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक मिले। सुरुचि इंदर सिंह (फोगट) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 241.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो इस साल उनका लगातार तीसरा विश्व कप स्वर्ण पदक था। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में अर्जुन बाबूता और आर्य राजेश बोरसे ने चीन पर 17-7 की शानदार जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता।

• भारत को कांस्य पदक एलावेनिल वलारिवन और सिफ्ट कौर समरा के दमदार प्रदर्शन की बदौलत मिले। एलावेनिल ने 635.9 का नया राष्ट्रीय क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता, जबकि सिफ्ट ने एशियाई सर्किट से पहले लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीता।

• भारत की 36 सदस्यीय टीम कई फाइनल में पहुंची और म्यूनिख में 2024 विश्व कप के अपने प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन किया, जहां वे संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे थे। 2

स्वर्ण और 2 कांस्य पदकों के साथ उनके अंतिम टैली ने हंगरी, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों को पछाड़ते हुए तीसरे स्थान पर रहना सुनिश्चित किया।

Key Points:-

(i) शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में सुरुचि सिंह 2025 विश्व कप सत्र में अपने अजेय स्वर्णिम प्रदर्शन के साथ सबसे आगे रहीं, जबकि एलावेनिल की रिकॉर्ड-सेटिंग क्वालीफिकेशन के साथ पोडियम पर वापसी ने निशानेबाजी प्रतिभा में भारत की गहराई को रेखांकित किया। इन प्रदर्शनों ने भारतीय निशानेबाजों को ISSF विश्व रैंकिंग में भी ऊपर पहुँचाया।

(ii) म्यूनिख में भारत का प्रदर्शन, विशेष रूप से राइफल और पिस्टल श्रेणियों में, वैश्विक निशानेबाजी में उसकी उपस्थिति को मजबूत करता है।

(iii) ISSF का अगला चरण निंग्बो, चीन (7-15 सितंबर, 2025) में निर्धारित है, जिसमें भारतीय दल का लक्ष्य गति बनाए रखना और शीर्ष प्रतियोगिताओं में पदक रूपांतरण में और सुधार करना होगा।

IMPORTANT DAYS

1. विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2025 – 15 जून को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र (UN) ने 15 जून 2025 को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस (WEAAD) के रूप में मनाया, जो एक वैश्विक अवसर है जिसका उद्देश्य विभिन्न समाजों में बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति दुर्व्यवहार, उपेक्षा और दुर्व्यवहार से संबंधित बढ़ती चिंताओं पर प्रकाश डालना है।

- **इस वर्ष के आयोजन का आधिकारिक विषय था: "दीर्घकालिक देखभाल सुविधाओं में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार को संबोधित करना: डेटा और कार्रवाई के माध्यम से"।**

- **यह विषय सुरक्षात्मक नीतियों और व्यावहारिक प्रतिक्रियाओं को आकार देने के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान का उपयोग करते हुए नर्सिंग होम और सहायता प्राप्त रहने वाले वातावरण में बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर जोर देता है।**

- **जागरूकता पहल की शुरुआत यूनाइटेड स्टेट्स (न्यू यॉर्क) में इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द प्रिवेंशन ऑफ एल्डर एब्यूज (INPEA) के माध्यम से हुई। इसे जिनेवा, स्विटजरलैंड में मुख्यालय वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा समर्थित किया गया, जिसने संयुक्त रूप से बुजुर्गों के अधिकारों और सम्मान की तात्कालिकता को मान्यता दी।**

Key Points:-

(i) 19 दिसंबर 2011 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने औपचारिक रूप से प्रस्ताव A/RES/66/127 को अपनाया, जिसके तहत 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस घोषित किया गया।

(ii) संयुक्त राष्ट्र की मान्यता के तहत पहला आधिकारिक उत्सव 15 जून 2012 को आयोजित किया गया।

(iii) WEAAD उम्र से संबंधित अन्याय के खिलाफ़ एकजुट आवाज़ उठाने का काम करता है। यह जवाबदेही, बुज़ुर्गों की देखभाल में सुधार और बुज़ुर्ग आबादी के सम्मान की ज़रूरत पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है - ख़ास तौर पर संस्थागत और पारिवारिक सेटिंग्स में।

2. भारत में रक्त आपूर्ति की गंभीर कमी के बीच विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून 2025 को मनाया गया।

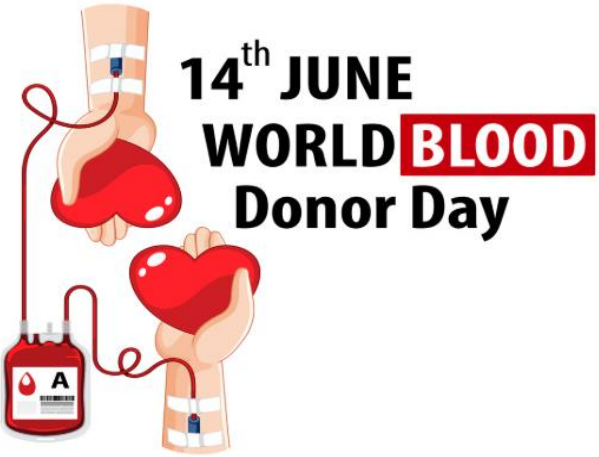

14 जून, 2025 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और उसके सहयोगियों ने विश्व रक्तदाता दिवस मनाया, जिसका विषय था: "रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।" यह दिन स्वैच्छिक, अवैतनिक रक्तदाताओं का सम्मान करता है और सुरक्षित और पर्याप्त रक्त की वैश्विक आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। एक बार रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बच सकती है, जो इसके महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव को रेखांकित करता है।

• भारत को सालाना लगभग 1.2 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है, लेकिन केवल लगभग 90 लाख यूनिट ही एकत्र किए जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 30 लाख यूनिट की कमी होती है - यह कमी गर्मियों के महीनों में 50% तक बढ़ सकती है। वास्तविक स्वैच्छिक दान 50% से कम रहता है, शेष परिवार के प्रतिस्थापन या भुगतान किए गए दाताओं से प्राप्त होता है, जो तथाकथित "लाल बाजार" के आसपास सुरक्षा और नैतिक चिंताओं में योगदान देता है।

• विश्व रक्तदाता दिवस पर, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने रक्त संग्रह और वितरण को बेहतर ढंग से समन्वित करने के लिए एक राज्य स्तरीय नीति - "कोई कमी नहीं, कोई बर्बादी नहीं" की घोषणा की। उपायों में मौसमी संतुलन, केंद्रीकृत NOC (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नियंत्रण और सार्वजनिक रक्त बैंकों में NAT (न्यूक्लिक एसिड परीक्षण) रोलआउट शामिल हैं ताकि सुरक्षा बढ़ाई जा सके और बर्बादी कम हो सके।

• पूरे भारत में संस्थाओं ने दानदाताओं को सम्मानित करके इस दिन को मनाया: लखनऊ में SGPGI ने 50 नियमित दानदाताओं को सम्मानित किया, जबकि रांची में आयोजित कार्यक्रमों में नए और बार-बार दान करने वालों से 500 से अधिक इकाइयां एकत्रित की गईं।

Key Points:-

(i) विश्व स्वास्थ्य संगठन नियमित स्वैच्छिक, अवैतनिक दान के लिए अपील जारी रखे हुए है, तथा राष्ट्रीय सरकारों से स्थायी रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने तथा रक्ताधान सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देने का आग्रह कर रहा है।

(ii) विश्व रक्तदाता दिवस (WBDD) पहली बार 2004 में शुरू किया गया था, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गनाइजेशन (IFBDO) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (ISBT) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

(iii) 2005 में, 58वीं विश्व स्वास्थ्य सभा ने आधिकारिक तौर पर 14 जून को WBDD के रूप में स्थापित किया, जो कि नोबेल पुरस्कार विजेता ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिन के साथ जुड़ा था, जिन्होंने 1901 में ABO रक्त समूह प्रणाली की खोज की थी, जिसने सुरक्षित आधान में क्रांति ला दी थी।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. SIPRI 2025: भारत अब 180 परमाणु हथियारों के साथ विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है।

जनवरी 2025 के लिए जारी स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का परमाणु भंडार 2024 में 172 से बढ़कर 180 वॉरहेड तक पहुंच गया है। यह वृद्धि एक वर्ष के भीतर आठ परमाणु हथियारों की वृद्धि को दर्शाती है।

- **इस वृद्धि के साथ, भारत अब विश्व स्तर पर छठा सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार रखता है, जो रूस (4,309), संयुक्त राज्य अमेरिका (3,700), चीन (600), फ्रांस (290) और यूनाइटेड किंगडम (225) से पीछे है, और पाकिस्तान से थोड़ा आगे है, जिसके पास 170 हथियार हैं।**

- **SIPRI की वार्षिक पुस्तिका में भारत द्वारा अग्नि-प्राइम जैसी अगली पीढ़ी की कैनिस्टराइज्ड मिसाइलों को अपनाने, तथा MIRV-सक्षम अग्नि-V/VI प्रणालियों की तैयारी, मिसाइल की तैयारी, भंडारण सुरक्षा और तैनाती के लचीलेपन को बढ़ाने पर प्रकाश डाला गया है।**

- **भारत की परमाणु तिकड़ी अब पूरी तरह से क्रियाशील है - अग्नि श्रृंखला के साथ भूमि-आधारित, मिराज 2000, जगुआर और राफेल विमानों के माध्यम से हवाई-आधारित, और INS अरिहंत और INS अरिघाट जैसे SSBN के माध्यम से समुद्र-आधारित - जो जीवित द्वितीय-हमला क्षमता सुनिश्चित करता है।**

Key Points:-

(i) नई दिल्ली ने अपने "नो फर्स्ट यूज" (NFU) परमाणु सिद्धांत को कायम रखा है, जिसमें परमाणु आक्रमण के जवाब में बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई पर जोर दिया गया है। विस्तारित भंडार और वितरण प्रणाली इस रुख को मजबूत करती है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से दक्षिण एशिया के भीतर विश्वसनीय प्रतिरोध बनाए रखना है।

(ii) भारत और पाकिस्तान के शस्त्रागार के बीच का अंतर अब 10 वारहेड तक बढ़ गया है, जिससे सामरिक संतुलन बदल गया है। इस बीच, चीन का निरंतर विस्तार (अब 600 वारहेड पर) प्रतिस्पर्धा का संकेत देता है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि वैश्विक हथियार-नियंत्रण तंत्र कमजोर हो रहे हैं - जिससे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु कूटनीति के लिए दांव बढ़ रहे हैं।

(iii) भारत के परमाणु शस्त्रागार में अब 180 वॉरहेड हैं, जो रणनीतिक संतुलन में निर्णायक बदलाव का संकेत है - पाकिस्तान से आगे निकलकर परमाणु पदानुक्रम में खुद को स्थापित करना। SIPRI के 2025 के डेटा आधुनिक निरोध में भारत के निरंतर निवेश को रेखांकित करते हैं, भले ही वह जटिल वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता को नेविगेट करता हो।

2. ASI, IN-स्पेस और ISRO ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मॉडल रॉकेट लॉन्च परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

14-15 जून, 2025 को, एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

(ISRO) के साथ साझेदारी में, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के तमकुही राज के रकबा जंगल पट्टी (सेवराही) में मॉडल रॉकेट के सफल परीक्षण किए। ये परीक्षण आगामी राष्ट्रीय स्तर के IN-SPACe CANSAT और मॉडल रॉकेटरी इंडिया छात्र प्रतियोगिता (2024-25) से पहले सिस्टम सत्यापन चरण के रूप में कार्य करते हैं।

- **उत्तर प्रदेश में पहली बार, निजी फर्म थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित 15 किग्रा के मॉडल रॉकेट ने 1 किग्रा के कैन आकार के उपग्रह (CANSAT) को लगभग 1.0-1.1 किमी की ऊंचाई पर प्रक्षेपित किया, जो राज्य की अंतरिक्ष पहलों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।**

- **परीक्षणों में लॉन्चर प्रदर्शन, संचार रेंज, सुरक्षा मार्जिन, साइट पर्याप्तता और उड़ान के बाद रिकवरी लॉजिस्टिक्स सहित महत्वपूर्ण सिस्टम मापदंडों का परीक्षण किया गया। रॉकेटों ने व्यक्तिगत पैराशूट सिस्टम तैनात किए, जिससे रॉकेट बॉडी और CAN-sat दोनों का सुरक्षित अवतरण संभव हो सका।**

- **थ्रस्ट टेक इंडिया के लॉन्चर और सॉलिड-फ्यूल मोटर सिस्टम का कठोर मूल्यांकन किया गया, जिसमें इसरो और IN-SPACe के विशेषज्ञों ने प्रतियोगिता के लिए उनकी उपयुक्तता की पुष्टि की। ये परीक्षण निजी कंपनियों के लिए छात्र कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक योग्यता के रूप में काम करते हैं।**

Key Points:-

(i) अक्टूबर-नवंबर 2025 के लिए निर्धारित आगामी IN-SPACe CANSAT और मॉडल रॉकेट्री इंडिया छात्र प्रतियोगिता में भारत भर से 900 से अधिक छात्र टीमें भाग लेंगी। यह पहल एक इमर्सिव STEM-आधारित सीखने का अनुभव प्रदान करती है जहाँ छात्र अंतरिक्ष विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अपने स्वयं के मॉडल रॉकेट और सैटेलाइट पेलोड को डिज़ाइन, निर्माण और लॉन्च करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में एयरोस्पेस सिस्टम और प्रायोगिक लॉन्च के बारे में सीधे जानकारी देकर उनमें नवाचार, जिज्ञासा और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना है।

(ii) जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी और कुशीनगर के DM महेंद्र सिंह तवर ने एएसआई और इन-स्पेस के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन की सुविधा प्रदान की। यह पहल ग्रामीण भारत में अंतरिक्ष शिक्षा लाती है, जो निजी भागीदारी, विकेंद्रीकरण और समावेशी नवाचार के राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति लक्ष्यों के साथ संरेखित होती है।

(iii) इस सावधानीपूर्वक नियोजित परीक्षण ने राष्ट्रव्यापी छात्र प्रतियोगिता के लिए मॉडल रॉकेट और CAN-sat सिस्टम की तकनीकी तत्परता को सफलतापूर्वक मान्य किया है। यह पहल न केवल क्षेत्रीय अंतरिक्ष क्षमता में एक मील का पत्थर है - यूपी की धरती से पहला रॉकेट उपग्रह परिनियोजन है - बल्कि छात्रों, निजी उद्योग और स्थानीय सरकारों को शामिल करके एक मजबूत STEM पारिस्थितिकी तंत्र को भी बढ़ावा देता है।

OBITUARY

1. एप्पल के अग्रणी सॉफ्टवेयर डिजाइनर बिल एटकिन्सन का निधन हो गया।

विलियम "बिल" एटकिंसन, प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट जो संस्थापक मैक सॉफ्टवेयर के लिए जिम्मेदार थे, का निधन 5 जून, 2025 को कैलिफोर्निया के पोर्टोला वैली में उनके घर पर अग्नाशय के कैंसर की जटिलताओं के कारण 74 वर्ष की आयु में हो गया। उनके निधन की पुष्टि एक पारिवारिक फेसबुक

पोस्ट में की गई, जिसमें बताया गया कि वे अपनी पत्नी, बच्चों, भाई-बहनों और पालतू कुत्ते, पोपी के साथ थे।

• एटकिंसन 1978 में स्टीव जॉब्स द्वारा भर्ती किए गए 51वें कर्मचारी के रूप में एप्पल में शामिल हुए। उनकी इंजीनियरिंग प्रतिभा ने मैकिन्टोश और लिसा परियोजनाओं को बदलने में मदद की, जिससे एप्पल की शुरुआती सफलता को बढ़ावा मिला।

• उन्होंने ग्राफिकल इंटरफ़ेस के महत्वपूर्ण तत्वों को तैयार किया: क्विकड्रॉ इंजन (पिक्सल ग्राफ़िक्स को सक्षम करना), पुल-डाउन मेनू, मेनू बार, चयन लैसो, गोल-आयताकार आकृतियाँ और डबल-क्लिक इंटरैक्शन मॉडल। ये नवाचार उद्योग मानक बन गए।

Key Points:-

(i) एटकिंसन ने मैकपेंट लिखा - जो पहले बिटमैप ग्राफिक संपादकों में से एक था - और हाइपरकार्ड (1987) बनाया, जो वर्ल्ड वाइड वेब का अग्रदूत था जिसने उपयोगकर्ताओं को हाइपरलिंक्ड "स्टैक" बनाने की अनुमति दी। इन उपकरणों ने घर और स्कूल के उपयोगकर्ताओं को रचनात्मकता और तर्क का पता लगाने में सक्षम बनाया।

(ii) 1979 में ज़ेरॉक्स PARC की यात्रा से प्रेरित उनके डिज़ाइन दृष्टिकोण ने दुनिया भर में UX डिज़ाइन को आकार दिया और विंडोज़ और मोबाइल उपकरणों पर आधुनिक GUI के लिए आधार तैयार किया। टिम कुक, जॉन ग्रुबर और वायर्ड जैसे तकनीकी दिग्गजों ने उन्हें "दूरदर्शी" और "संभवतः अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोग्रामर" कहा।

(iii) 1990 में एप्पल छोड़ने के बाद, एटकिंसन ने जनरल मैजिक की सह-स्थापना की, प्रकृति की फोटोग्राफी की और पॉलिश की गई चट्टानों का जश्न मनाते हुए विदिन द स्टोन प्रकाशित किया। अक्टूबर 2024 में निदान होने पर, उन्होंने लिखा, "मैंने पहले ही एक अद्भुत और शानदार जीवन जी लिया है," अपने अंतिम दिनों तक यात्रा करना और रचना करना जारी रखा।

Static GK

International Cricket Council (ICC)	अध्यक्ष : जय शाह (भारत)	मुख्यालय : दुबई
International Shooting Sport Federation (ISSF)	अध्यक्ष : लुसियानो रॉसी (इटली)	मुख्यालय : म्यूनिख, जर्मनी
Pakistan	प्रधान मंत्री: शहबाज़ शरीफ़	राजधानी : इस्लामाबाद
Mongolia	राष्ट्रपति : उखनागिन खुरेलसुख	राजधानी : उलानबटार
Andhra Pradesh	मुख्यमंत्री: एन. चंद्रबाबू नायडू	राज्यपाल: सैयद अब्दुल नजीर
ISRO	अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन	मुख्यालय: बेंगलुरु